

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

सितंबर में चीन के अमेरिका को निर्यात में भारी गिरावट, जबकि वैश्विक शिपमेंट्स छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची

Sanket Morankar

Published on 13 Oct 2025



चीन के निर्यात में सितंबर 2025 के महीने में एक दिलचस्प विरोधाभास देखने को मिला है। जहां चीन के अमेरिका को निर्यात में 27% की भारी गिरावट दर्ज हुई है, वहीं चीन का कुल वैश्विक निर्यात 8.3% बढ़कर 328.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले छह महीनों में सबसे उच्च स्तर है। यह आंकड़ा चीन की आर्थिक मजबूती और वैश्विक व्यापार में उसके परिवर्तनशील रुख को दर्शाता है।

चीन के कस्टम विभाग ने सोमवार को यह आंकड़े जारी किए। चीन के लिए यह एक संकेत है कि अमेरिका के बाजार से निर्यात में गिरावट के बावजूद, उसने अन्य वैश्विक बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। इस लेख में हम विस्तार से जानेंगे कि क्यों अमेरिका को निर्यात में गिरावट आई और कैसे चीन के वैश्विक निर्यात ने नई ऊंचाइयों को छुआ।

सितंबर में अमेरिका के लिए चीन के निर्यात में 27% की गिरावट के कई कारण हैं। सबसे पहला कारण है अमेरिका की आर्थिक मंदी की संभावना। अमेरिका में उपभोक्ता खर्च में कमी और आर्थिक अनिश्चितता ने वहां की बाजार में मांग को कम किया है। इससे चीन से आयात होने वाले वस्तुओं की मांग में गिरावट आई है।

दूसरा बड़ा कारण है चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापारिक तनाव। दोनों देशों के बीच लगे उच्च टैरिफ और सख्त व्यापार नियमों ने चीन के उत्पादों के अमेरिका में निर्यात को चुनौती दी है। इसके अलावा, राजनीतिक अस्थिरता और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों ने भी इस गिरावट को बढ़ावा दिया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका के बाजार में यह गिरावट अस्थायी हो सकती है, लेकिन इससे चीन की निर्यात रणनीति पर दीर्घकालीन प्रभाव पड़ सकता है। चीन को अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करते हुए अन्य बाजारों को प्राथमिकता देनी होगी।

चीन के कुल वैश्विक निर्यात में सितंबर 2025 में 8.3% की वृद्धि हुई है, जो पिछले छह महीनों में सबसे अधिक है। इसका मतलब

यह है कि चीन ने अन्य देशों के साथ अपने व्यापार को बढ़ावा दिया है। खासकर यूरोप, दक्षिण पूर्व एशिया और अफ्रीका के बाजारों में चीन के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

यह वृद्धि चीन की निर्यात विविधीकरण नीति का परिणाम है। चीन ने लंबे समय से अमेरिका के अतिरिक्त बाजारों में विस्तार करने का प्रयास किया है। महामारी के बाद की वैश्विक आर्थिक रिकवरी ने भी चीन के निर्यात को बढ़ावा दिया है।

विश्लेषकों के अनुसार, चीन के इस बढ़ते वैश्विक व्यापार से वह अपनी आर्थिक वृद्धि की गति को बनाए रखने में सक्षम होगा, भले ही अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध तनावपूर्ण हों।

चीन के लिए यह आर्थिक विरोधाभास एक बड़ी चुनौती भी है और अवसर भी। निर्यात में अमेरिका की गिरावट से चीन को यह एहसास हुआ है कि उसे अपनी वैश्विक निर्यात रणनीति में बदलाव लाना होगा। अमेरिका पर निर्भरता कम कर के अन्य बाजारों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

चीन सरकार ने निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं, जिनका उद्देश्य नए बाजारों तक पहुंच बनाना और निर्यात की गुणवत्ता सुधारना है। साथ ही, घरेलू उपभोग को बढ़ावा देने की रणनीति भी चीन की आर्थिक नीतियों का अहम हिस्सा बनी है।

इस स्थिति में चीन की आर्थिक स्थिरता और व्यापार विकास के लिए निरंतर सुधार और नवाचार आवश्यक है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञ डॉ. अंशु वर्मा ने बताया, “चीन की अमेरिका को निर्यात में गिरावट चिंता का विषय है, लेकिन यह पूरे व्यापार को प्रभावित करने वाला नहीं है। चीन ने वैश्विक बाजारों में विस्तार कर अपनी रणनीति में बदलाव किया है, जो दीर्घकालीन रूप से फायदेमंद रहेगा।”

वहीं, आर्थिक विश्लेषक नरेश गुप्ता का कहना है, “यह वक्त चीन के लिए एक नए दौर की शुरुआत हो सकती है, जहां वह अमेरिका से बाहर अन्य बड़े बाजारों पर अपना फोकस बढ़ाएगा। इससे उसकी अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिलेगी।”

चीन के अमेरिका को निर्यात में गिरावट के कारण वैश्विक व्यापार के संतुलन में भी बदलाव संभव है। इससे सप्लाई चेन में बदलाव आएंगे और अन्य बाजारों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। यह स्थिति वैश्विक आर्थिक नीतियों और व्यापार समझौतों पर प्रभाव डाल सकती है।

आने वाले महीनों में वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तनों के साथ चीन के निर्यात आंकड़ों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकते हैं। चीन के लिए यह जरूरी होगा कि वह अपनी निर्यात नीतियों को लचीला और प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखे।

सितंबर 2025 के आंकड़े चीन के निर्यात क्षेत्र में एक जटिल परिदृश्य को दर्शाते हैं। अमेरिका को निर्यात में भारी गिरावट के बावजूद, चीन ने वैश्विक बाजारों में अपनी मौजूदगी और बढ़ाई है। यह चीन की व्यापार रणनीति में बदलाव और आर्थिक मजबूती का प्रतीक है। Samacharwani News Platform इस विषय पर आने वाले समय में भी आपको विस्तार से अपडेट देता रहेगा।